डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार पीठ
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,ज्ञानपथ, शिमला–5
डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र
(Post graduate diploma in Dr. Keshav Baliram Hedgewar Studies)

पाठ्यक्रम (Syllabus)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

*राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक, महान स्वतंत्रता सेनानी और युगदृष्टा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के चिन्तन, मनन–अध्ययन और लेखन के सर्वांगीण पक्षों को जन–जन तक पहुंचाना अपेक्षित है। विश्व का सबसे बड़ा संगठन **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ** है और इसके संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के बारे में जिज्ञासा होना स्वभाविक है। इस उद्देश्य से डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार पीठ, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में डॉ. केशव बलीराम हेडगेवार अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि–पत्र पाठ्यक्रम शुरू किया है।

* इस पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निर्माता डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन–दर्शन और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भागीदारी का अध्ययन किया जाएगा। भारत को फिर से विश्वगुरू बनाने में और परमवैभव तक ले जाने में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के चिन्तन, उनके सिद्धांत और उनके विचारों की भूमिका का अध्ययन एवं अध्यापन करवाया जाएगा। पाठ्यक्रम के माध्यम से संघ संस्थापक के जीवन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इतिहास और देश के पुनरूत्थान में डॉ. हेडगेवार की भूमिका के अलग–अलग पहलुओं के बारे में छात्रों को शिक्षित किया जाएगा। **डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र** (Post Gtraduate Diploma in Dr. Keshav Baliram Hedgewar Studies) पाठ्यक्रम पहले ही स्वीकृत हो चुका है, परन्तु उक्त पाठ्यक्रम का अद्यतन किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम Choice-Based Credit System(CBCS) के अनुसार बनाया गया है, जो **शैक्षणिक सत्र : 2022–23** से प्रभावी है।

परिणाम : यह पाठ्यक्रम डॉ. केशव बलीराम हेडगेवार अध्ययन के साथ ही साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचार परिवार तथा समकालीन विषय में **स्वतंत्र सोच, गहन विश्लेषण, यथार्थवादी दृष्टिकोण** तथा **सकारात्मक परिणाम** देगा।

पाठ्यक्रम का दृष्टिकोण व कालावधि

* यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा। इसमें दो छमाही होंगे। पहले छमाही में तीन प्रश्न निर्धारित होंगे। दूसरे छमाही में 2 प्रश्न पत्र होंगे। इस प्रकार कुल 5 प्रश्न पत्र होंगे। अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थियों को व्यवहारिक कौशल अर्जन करवाया जाएगा। पांचवां प्रश्न पत्र **लघु शोध परियोजना** कार्य से संबंधित रहेगा।

पाठ्यक्रम के लिए पात्रता

1. छात्र/छात्रा को किसी भी संकाय से स्नातक होना चाहिए। स्नातक स्तर की डिग्री मान्यता प्राप्त महाविद्यालय/विश्वविद्यालय से होना अपेक्षित है।
2. छात्र/छात्रा को भारत के इतिहास, संस्कृति, सभ्यता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यप्रणाली और डॉ. केशव बलीराम हेडगेवार के जीवन–दर्शन के सिद्धांतों से परिचित होना चाहिए।
3. छात्रों का चयन उच्च प्राप्तांक के आधार पर किया जाएगा। छात्र ऑनलाइन इस पाठयक्रम के लिए अपना आवेदन करेंगे।

क्रेडिट (credits)

पाठय्क्रम में निर्धारित प्रत्येक प्रश्न पत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र में छात्र को 40% अंक अर्जित करना अनिवार्य होगा। लेकिन इसके साथ ही उत्तीर्ण होने के लिए कुल अंक 225 (दो सौ पच्चीस) जोकि कुल अंक का 45 प्रतिशत होगा।

उपस्थिति

छात्रों को पाठयक्रम के गम्भीर पक्षों को समझने के लिए निधारित समय सारिणी के अनुसार व्याख्यान में अपनी उपस्थिति निर्धारित करनी होगी जिसमें 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। इससे कम उपस्थिति वाले छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

परीक्षा एवं अंक

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का निर्धारित होगा। इसमें अंकों का बँटवारा निम्न रुप से किया जाएगाः–

1. Attendance = 05 अंक
2. Assignments/presentation = 15 अंक
3. Term End Examination = 80 अंक

कुल = 100 अंक

संकाय (Faculty)

यह पाठ्यक्रम बहु–विषयक प्रकृति का है। इसलिए पाठ्यक्रम शिक्षण के लिए विविध विषय क्षेत्रों से **अतिथि अध्यापक** आमंत्रित किए जाने अपेक्षित हैं।

डॉ. **केशव बलिराम हेडगेवार अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र के लिए प्रश्न पत्रों की योजना विधि** :–

प्रथम छमाही (First Semester)				
क्र• सं•	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	अधिकतम अंक	न्यूनतम उतीर्ण अंक
1.	प्रश्न पत्र –I	डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन और चिन्तन	100	40
2.	प्रश्न पत्र –II	डॉ. केशव बलिराम हेडगेवारः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक	100	40
3.	प्रश्न पत्र –III	राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति	100	40
द्वितीय छमाही (Second Semester)				
4.	प्रश्न पत्र –IV	डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और अन्य भारतीय विचारक (तुलनात्मक अध्ययन)	100	40
5.	प्रश्न पत्र –V	लघु परियोजना कार्य	100	50

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र के लिए कुल अंक 500 निर्धारित हैं तथा उत्तीर्ण होने के लिए 225 (Two Hundred Twenty Five) जो कि कुल अंक का 45 प्रतिशत होगा।

प्रथम छमाही

प्रथम प्रश्न पत्र

कोर्स कोड : PGDKBHS 101 **डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन और चिन्तन**

पूर्णांक 100(80+20)

क्रेडिट-6 समय : 3 घंटें

इकाई 1

1. डॉ. हेडगेवार की पारिवारिक पृष्ठभूमि
2. डॉ. हेडगेवार : प्रारम्भिक जीवन की प्रमुख घटनाएं

इकाई 2

1. डॉ. हेडगेवार का अनुशीलन समिति में प्रवेश
2. डॉ. हेडगेवार : चिकित्सक की भूमिका में

इकाई 3

1. डॉ. हेडगेवार का कांग्रेस में प्रवेश
2. डॉ. हेडगेवार और विभिन्न आंदोलनात्मक गतिविधियॉ

इकाई 4

1. डॉ. हेडगेवार पर राजद्रोह का मुकदमा
2. जालियांवाला बाग दिवस

इकाई 5

1. डॉ. हेडगेवार : क्रांति का आह्वान और स्वतंत्रता संग्राम
2. देशभक्ति की कसौटी और प्रासंगिकता

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 अंक

➢ अनुमोदित पुस्तकें/Recommended Books

- नानाजी देशमुख,'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ', प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
- दाणी, प्रभाकर बलवंत, 'संघ दर्शन', लोकहित प्रकाशन लखनऊ, 2008
- हेडगेवार, डॉ. केशव बलिराम, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ', लोकहित प्रकाशन, लखनऊ, 2008
- 'श्री गुरूजी समग्र', सुरूचि प्रकाशन, नयी दिल्ली, खंड,–1–12, 2006
- देवरस, बालासाहब 'हिन्दू संगठन और सत्तावादी राजनीति', जागृति प्रकाशन, नोएडा, 2004

- सिन्हा, डॉ. राकेश, आधुनिक भारत के निर्माता डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
- आंबेकर, सुनील, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा सूत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
- Dhooria, Ramlal, 'I Was a Swamsevak: An insider view of RSS', Sampradaiykta to Virodhi Commitee, New Delhi, 1970
- Curran,s , 'Militant Hinduism in Politics: A Study of RSS', Newyork, 1951
- H.V. Sheshadri, 'Dr. Hedgewar; The Epoc Maker', Sahitya Sindhu, Bangaluru, 1972
- Joshi, Subhadra, 'RSS: Is it a Cultural organization' New Delhi, 1966
- Joshi, Subhadra, 'RSS A Danger to Democracy', New Delhi, 1967
- Madhok, Balraj, 'RSS and Politics', Hindu world Publication, New Delhi, 1986
- Ghosh, Shankar, 'Political ideas and movement in india', allied publisher, New Delhi, 1975
- Sinha, Dr. Rakesh, Understanding RSS Publications Division, Govt. of India.

प्रथम छमाही

द्वितीय प्रश्न पत्र

कोर्स कोड : PGDKBHS 102 **डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक**

पूर्णांक: 100(80+20)

क्रेडिट-6 समय : 3 घंटें

इकाई 1

i) संघ की स्थापना

ii) स्वयंसेवक के कर्त्तव्य

इकाई–2

i) द्वितीय विश्वयुद्ध और डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार

ii) स्वतंत्रता आंदोलन और अंग्रेजों की कूटनीति

इकाई–3

i) डॉ. हेडगेवार और सीधी कार्यवाही

ii) मुस्लिम लीग की मानसिकता

इकाई–4

i) कांग्रेस और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

ii) हिन्दू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

इकाई–5

i) भारत विभाजन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

ii) महात्मा गांधी की हत्या और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 अंक

➢ अनुमोदित पुस्तकें/Recommended Books

- नानाजी देशमुख,'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ', प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
- दाणी, प्रभाकर बलवंत, 'संघ दर्शन', लोकहित प्रकाशन लखनऊ, 2008
- हेडगेवार, डॉ. केशव बलिराम, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ', लोकहित प्रकाशन, लखनऊ, 2008
- 'श्री गुरूजी समग्र', सुरूचि प्रकाशन, नयी दिल्ली, खंड,–1–12, 2006
- देवरस, बालासाहब 'हिन्दू संगठन और सत्तावादी राजनीति', जागृति प्रकाशन, नोएडा, 2004
- सिन्हा, डॉ. राकेश, आधुनिक भारत के निर्माता डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
- आंबेकर, सुनील, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा सूत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
- Dhooria, Ramlal, 'I Was a Swamsevak: An insider view of RSS', Sampradaiykta to Virodhi Commitee, New Delhi, 1970
- Curran,s , 'Militant Hinduism in Politics: A Study of RSS', Newyork, 1951
- H.V. Sheshadri, 'Dr. Hedgewar; The Epoc Maker', Sahitya Sindhu, Bangaluru, 1972
- Joshi, Subhadra, 'RSS: Is it a Cultural organization' New Delhi, 1966
- Joshi, Subhadra, 'RSS A Danger to Democracy', New Delhi, 1967
- Madhok, Balraj, 'RSS and Politics', Hindu world Publication, New Delhi, 1986
- Ghosh, Shankar, 'Political ideas and movement in india', allied publisher, New Delhi, 1975
- Sinha, Dr. Rakesh, Understanding RSS, Publications Division, Govt. of India.

प्रथम छमाही

तृतीय प्रश्न पत्र

कोर्स कोड : PGDKBHS 103 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति

पूर्णांक : 100(80+20)

क्रेडिट-6 समय : 3 घंटें

इकाई–1

i) शाखा : सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी

ii) संघ कार्य में परिवार

इकाई–2

i) प्रचारक पद्धति का विकास

ii) प्रचारक और कार्यकर्ता

इकाई–3

i) राष्ट्रहित सर्वोपरि

ii) हिन्दुत्व और राष्ट्रीयत्व

इकाई–4

i) भगवाध्वज

ii) व्यक्तिनिष्ठा एवं तत्त्वनिष्ठा

इकाई–5

i) श्री गुरु दक्षिणा और समर्पण

ii) संघ विचार परिवार का विकास और प्रासंगिकता

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 अंक

➢ अनुमोदित पुस्तकें / Recommended Books

- नानाजी देशमुख,'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ', प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
- दाणी, प्रभाकर बलवंत, 'संघ दर्शन', लोकहित प्रकाशन लखनऊ, 2008
- हेडगेवार, डॉ. केशव बलिराम, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ', लोकहित प्रकाशन, लखनऊ, 2008
- 'श्री गुरूजी समग्र', सुरूचि प्रकाशन, नयी दिल्ली, खंड,–1–12, 2006
- देवरस, बालासाहब 'हिन्दू संगठन और सत्तावादी राजनीति', जागृति प्रकाशन, नोएडा, 2004
- सिन्हा, डॉ. राकेश, आधुनिक भारत के निर्माता डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
- आंबेकर, सुनील, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वर्णिम भारत के दिशा सूत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
- Dhooria, Ramlal, 'I Was a Swamsevak: An insider view of RSS', Sampradaiykta to Virodhi Commitee, New Delhi, 1970
- Curran,s , 'Militant Hinduism in Politics: A Study of RSS', Newyork, 1951
- H.V. Sheshadri, 'Dr. Hedgewar; The Epoc Maker', Sahitya Sindhu, Bangaluru, 1972
- Joshi, Subhadra, 'RSS: Is it a Cultural organization' New Delhi, 1966
- Joshi, Subhadra, 'RSS A Danger to Democracy', New Delhi, 1967
- Madhok, Balraj, 'RSS and Politics', Hindu world Publication, New Delhi, 1986
- Ghosh, Shankar, 'Political ideas and movement in india', allied publisher, New Delhi, 1975
- Sinha, Dr. Rakesh, Understanding RSS Publications Division, Govt. of India.

द्वितीय छमाही)

चतुर्थ प्रश्न पत्र

कोर्स कोड : PGDKBHS 104 **डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और अन्य भारतीय विचारक (तुलनात्मक अध्ययन)**

पूर्णांक: 100(80+20)

क्रेडिट-6 समय : 3 घंटें

इकाई–1

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक (1856–1920)

- जीवन परिचय, अंग्रेजी और राष्ट्रभाषा, स्वराज्य की अवधारणा, स्वदेशी, शिवाजी एवं गणेश उत्सव, गीता–चिन्तन, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों की प्रासंगिकता।

स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर (1883–1966)

• जीवन परिचय, भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, मोपला विद्रोह एवं हिंदू समाज, अखंड भारत, हिंदू–राष्ट्र की अवधारणा, राजनीति का हिंदूकरण, हिंदुओं का सैनिकीकरण, स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर के विचारों की प्रासंगिकता।

इकाई–2

महामना मदनमोहन मालवीय (1861–1946

- जीवन चरित, अस्पृश्यता का विरोध, मातृशक्ति सेवा कार्य, गोरक्षा एवं गंगा सत्याग्रह, धर्म, शिक्षा एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति से प्रेम, महामना मदनमोहन मालवीय के विचारों की प्रासंगिकता।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस (1897–1945)

- जीवन परिचय, लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता, अधिकार और कर्तव्य, साध्य एवं साधन, राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयता, उच्चतम देशभक्ति, भारतीय संस्कृति, युवा शक्ति–विद्यार्थी और राजनीति, भाषा, भारतीय नारी, आजाद हिंद फौज की स्थापना, नेताजी के विचारों की प्रासंगिकता।

इकाई–3

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी (1901–1953)

- जीवन परिचय, अखंड भारत की संकल्पना, दो विधान–दो प्रधान और दो निशान, शिक्षा एवं शिक्षण पद्धति, राष्ट्र सर्वोपरि भावना और भारत का विभाजन, भारतीय संविधान–धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के विचारों की प्रासंगिकता।

माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी (1906–1973)

- जीवन परिचय, भारतमाता, युवाशक्ति, भारतीय नारी, साध्य–साधन संबंध, अधिकार एवं कर्तव्य, राष्ट्र एवं राज्य, हिंदू समाज का संगठन, सामाजिक समरसता, भारत विभाजन और श्रीगुरुजी, श्रीगुरुजी के विचारों की प्रासंगिकता।

इकाई–4

पंडित दीनदयाल उपाध्याय (1916–1968)

- जीवन परिचय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आर्थिक लोकतंत्र, अधिकार एवं कर्तव्य, परमपवित्र भगवाध्वज, भारतीय संविधान, एकात्म मानवदर्शन, पूंजीवाद, साम्यवाद और गांधीवाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता।

नानाजी देशमुख (1916–2010)

- जीवन परिचय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और नानाजी देशमुख, राजनीति में सेवानिवृत्ति की आयु, युवा शक्ति और युवाओं के नाम पत्र, शिक्षा का प्रयोग–चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, आपातकाल–लोकतंत्र और नानाजी देशमुख, दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत एवं दीनदयाल शोध संस्थान, नानाजी देशमुख के विचारों की प्रासंगिकता।

इकाई–5

दत्तोपंत ठेंगड़ी (1920–2004)

- जीवन परिचय, दत्तोपंत ठेंगड़ी–कुशल संगठक, कार्यकर्ता–कार्य और कार्यक्रम विवेक, विनम्र नेतृत्व का आदर्श, डॉ. आंबेडकर और सामाजिक क्रांति, स्वदेशी जागरण की सार्थकता, शिक्षा का भारतीयकरण, श्रमिक शक्ति का राष्ट्रीयकरण, सामाजिक समता व सामाजिक समरसता, दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों की प्रासंगिकता।

हो.वे. शेषाद्री(1926–2005)

- जीवन परिचय, हिंदू साम्राज्य दिनोत्सव और युगावतार छत्रपति शिवाजी, आपातकाल–लोकतंत्र और हो. वे. शेषाद्री, हिन्दू समाज और भारत का विभाजन, अखंड भारत–स्वप्न और यथार्थ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कार्यकर्ता–एक ध्येय पथिक, चिंतन गंगा, हो.वे. शेषाद्री के विचारों की प्रासंगिकता।

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 अंक

अनुमोदित पुस्तकें/Recommended Books

- **डॉ. पुरूषोत्तर नागर, आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर(राज.), प्रथम संस्करण : 1980**
- **डॉ. आर.पी. पाण्डेय और अन्य, आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारक, नवराज प्रकाशन, दिल्ली–110053, प्रथम संस्करण : 2014**
- **डॉ.बी. सिंह गहलौत, समकालीन राजनीतिक विचारक, अर्जुन प्रकाशन घर, 4831/24 प्रह्मलाद गली, अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली–110002, प्रथम संस्करण : 2011**

- डॉ. विप्लव, भारतीय राजनीतिक चिन्तन, राहुल प्रकाशन, 348/6, शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.) प्रथम संस्करण : 2013
- डॉ.ए. अवस्थी/डॉ. आर.के. अवस्थी, आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन, रिसर्च प्रकाशन, जयपुर–(राज.) 2002
- प्रो. सोहन लाल तातेड़ व अन्य आधुनिक भारतीय चिन्तक, एम.के. प्रकाशन, जयपुर (राजस्थान) खंड 1–2 प्रथम संस्करण : 2012
- प्रो. मनोज चतुर्वेदी, डॉ. प्रेरणा चतुर्वेदी, 'भारतीय चिन्तक', शिवगंगा प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.) खंड 1–2, संस्करण : 2021
- डॉ. रामजी मिश्र, प्रमुख ऋषि मुनियों की परंपरा, प्रयागराज, 2000
- भगिनी निवेदिता, 'पथ और पाथेय' लोकहित प्रकाशन, लखनऊ (उ.प्र.), 2003
- चं.प. भिशीकर, श्री बाबा साहब आप्टे : जीवन और कार्य, अर्चना प्रकाशन, भोपाल (म.प्र.), प्रथाम संस्करण : 2003
- डॉ. गौरीनाथ रस्तोगी, कर्मयोगी दत्तोपंत ठेंगड़ी, लोकहित प्रकाशन, लखनऊ (उ०प्र०), 2005

द्वितीय छमाही

पंचम प्रश्न पत्र

कोर्स कोड : PGDKBHS 105 लघु परियोजना कार्य

पूर्णांक: 100(80+20)

क्रेडिट-6

समय : 3 घंटें

लघु परियोजना कार्य का विषय डॉ. हेडगेवार के चिंतन, दर्शन और विविध कार्यों से सम्बंधित रहेगा। यह लघु शोध कार्य लगभग 50 टंकित पृष्ठों में समाहित किया जाना अपेक्षित रहेगा। डॉ. केशव बलीराम हेडगेवार पीठ से सम्बंधित स्नातकोत्तर उपाधि पत्र हेतु पांचवे प्रश्न पत्र की परीक्षा की रुपरेखा में 80 अंक परियोजना कार्य के मूल्याँकन तथा 20 अंक **मौखिक परीक्षा** के रहेंगे। मौखिक परीक्षा में बाह्य और आंतरिक दोनों परीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। परीक्षार्थी के लिए **परियोजना कार्य** और **मौखिक परीक्षा** में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक उत्तीर्ण हेतु अनिवार्य रुप में अर्जित करने होंगे। ये अंक लिखित **परीक्षा** एवं **मौखिक परीक्षा** दोनों में अलग–अलग स्तर पर अर्जित करने अनिवार्य हैं। **लघु परियोजना कार्य** के लिए **निदेशक अंतर्विषयक/ अंतर्विद्यात्मक/ संबंधित कार्य क्षेत्रों** से होगा।

संलग्नक–1 (Annexure-I)

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार पीठ

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, ज्ञानपथ, शिमला–5

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र

कोर्स कोड : PGDKBHS 101,102,103,104 पाठ्यक्रमों की वार्षिक परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रुपरेखा।

खण्ड–क

प्रश्न–1 इस खण्ड के अन्तर्गत इकाई I,II,III,IV,V से सम्बंधित समूचे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ (MCQ) प्रश्न पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों के उत्तर एक पद में देने होंगे।

10X2=20

खण्ड–ख

प्रश्न–2 इस खण्ड के अन्तर्गत इकाई I में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। इन दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर विस्तार से देना होगा।

12

खण्ड–ग

प्रश्न–3 इस खण्ड के अन्तर्गत इकाई 2 में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। इन दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर विस्तार से देना होगा।

12

खण्ड–घ

प्रश्न–4 इस खण्ड के अन्तर्गत इकाई 3 में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। इन दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर विस्तार से देना होगा।

12

खण्ड–ङ

प्रश्न–4 इस खण्ड के अन्तर्गत इकाई 4 में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। इन दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर विस्तार से देना होगा।

12

खण्ड–च

प्रश्न–5 इस खण्ड के अन्तर्गत इकाई 5 में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। इन दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर विस्तार से देना होगा।

12

कुल अंक =80

नोट– यह रुपरेखा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र (Post Graduate Diploma in Dr. Keshav Baliram Hedgewar Studies) में से स्नातकोत्तर उपाधि पत्र के निर्धारित पाठ्यक्रम 101,102,103,104 के अनुरुप निर्मित की गई है। सभी कोर्स कोड के प्रश्न पत्र उपर्युक्त रुपरेखा के अनुसार ही बनाए जाएंगे।